अध्यात्म रामायण और वाल्मीकि रामायण का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. रेनू रानी शर्मा

Kripa Drishti Publications, Pune.

अध्यात्म रामायण और वाल्मीकि रामायण का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. रेनू रानी शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर,
संस्कृत विभाग,
गो. ग. द. सनातन धर्म महाविधालय,,
पलवल (हरियाणा).

Kripa-Drishti Publications, Pune.

पुस्तक का शीर्षक: **अध्यात्म रामायण और वाल्मीकि रामायण का तुलनात्मक अध्ययन**

लेखक: **डॉ. रेनू रानी शर्मा**

Price: ₹675

1st Edition

ISBN: **978-81-970675-8-7**

9 788197 067587

Published: **Sept 2024**

Publisher:

Kripa-Drishti Publications

A/ 503, Poorva Height, SNO 148/1A/1/1A,
Sus Road, Pashan- 411021, Pune, Maharashtra, India.
Mob: +91-8007068686
Email: editor@kdpublications.in
Web: https://www.kdpublications.in

©**Copyright डॉ. रेनू रानी शर्मा**

All Rights Reserved. No part of this publication can be stored in any retrieval system or reproduced in any form or by any means without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages. [The responsibility for the facts stated, conclusions reached, etc., is entirely that of the author. The publisher is not responsible for them, whatsoever.]

PREFACE

The main objective of Adhyatma Ramayana is to focus on the path of attaining the final beatitude. In view of the Adhyatma Ramayana devotion towards the lotus feel of Supreme reality in the form of Rama is the noblest way of attaining the Moksa. In contrast to this, the Ramayana of Valmiki is regarded as an Itihasa.

यह परम पवित्र गाथा भगवान् शंकर द्वारा आदिशक्ति जगदम्बा पार्वतीजी को सुनायी गयी थी। यह कथा ब्रम्हाण्डपुराण के उत्तरखण्ड में आयी है, अतः इसके रचयिता भी महामुनी व्यास हैं। इसमें परम रसायन रामचरित्र का वर्णन और प्रसंगानुसार भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, उपासना, सदाचार सम्बन्धी उपदेश एवं अध्यात्मतत्व के विवेचन की प्रधानता है। सरल भाषानुवाद में मूल के साथ सचित्र, सजिल्द।

These sacred verses are extract from the latter portion of the Brahmand Puran composed by the great Ved Vyas. These verses are a dialogue between Lord Shankar and goddess and universal mother Parvati. This pious story was recited to the universal mother Parvati by the Lord Shankar.

अनुक्रमणिका

अध्याय 1: अध्यात्म रामायण..... 1

1.1 अध्यात्म रामायणम्: 1
1.2 अध्यात्म रामायण - रचनाकाल और लेखकत्व: 5
1.3 तुलसी कृत श्री रामचरितमानस, अरण्य कांड, दोहा 23 और चौपाई: 9
1.4 अध्यात्म रामायण को सात कांडों या अध्यायों में व्यवस्थित किया गया है।: 14
1.5 अध्यात्म रामायण में भगवान श्रीराम के गुणों और विचारों का किया है वर्णन: 15
1.6 अध्यात्म रामायण के कई प्रामाणिक पाठ सुलभ है हुए: 15
1.7 आदर्श पुत्र ही नहीं, आदर्श पति और भाई भी थे श्रीराम: 16
1.8 जीवन की ऊंचाइयों पर पहुंचाता है श्रीराम का आदर्श: 17
1.9 राम से बड़ा कोई नहीं: 18
1.10 रामचरितमानस की कथा अध्यात्म रामायण से मिलती-जुलती है:..... 19
1.11 श्रीराम के रामत्त्व की प्रतिष्ठा अन्य ग्रंथों में भी हुई है संभव:..... 20
1.12 लोकाभिमुख धर्मज्ञ राजा:..... 20
1.13 वेदव्यास जी ने राम के अपरिमित गुणों का किया बखान:..... 26
1.14 राम कथा का सारांश:..... 28
1.15 अध्यात्म रामायण में भक्ति के प्रतिबिम्ब:..... 33
1.16 रावण, भक्त:..... 36
    1.16.1 अध्यात्म रामायण में रावण: 36
1.17 रावण की सीता देवी के प्रति भक्ति:..... 37
1.18 अध्यात्म रामायण में प्रकट शिक्षा के औपचारिक, गैर-औपचारिक और अनौपचारिक पहलुओं की अवधारणा:..... 39
    1.18.1 औपचारिक शिक्षा: 40
    1.18.2 गैर-औपचारिक शिक्षा:..... 41
    1.18.3 अनौपचारिक शिक्षा:..... 46

अध्याय 2: वाल्मीकि रामायण..... 48

2.1 रामायण संस्कृत:..... 48
2.2 रामायण की रचना करना:..... 49
2.3 रामायण की संरचना:..... 50
2.4 सीता का वनवास:..... 60
2.5 सीता का पाताल प्रवेश:..... 61
2.6 महर्षि वाल्मीकि परिचय:..... 61
2.6.1 परिचय:..... 63
2.7 वाल्मीकि-रामायण में श्रीराम के गुणों का वर्णन:..... 78
2.8 भगवान राम ने नहीं ली थी मां सीता की अग्नि परीक्षा', जानें वाल्मीकि रामायण में क्या लिखा है:..... 87
2.9 मां सीता ने कही ये बात:..... 88
2.10 श्री राम से मिलते हैं देवता:..... 89
2.11 श्रीराम कहते हैं ये बात:..... 89
2.12 वाल्मीकि रामायण के मुख्य बिंदु:..... 90
2.13 शूर्पणखा के नाक-कान काटना:..... 91
2.14 राम द्वारा खर-दूषण की पराजय:..... 91
2.15 रावण द्वारा सीताहरण:..... 92
2.16 राम-लक्ष्मण द्वारा सीता की खोज:..... 92
2.17 भरत का द्वंद: महर्षि वाल्मीकि कृत महाकाव्य रामायण का मार्मिक प्रसंग:..... 94
2.18 नेतृत्व:..... 96
2.19 राजा दशरथ के पुत्र श्री राम द्वारा प्रदर्शित परिवर्तनकारी नेतृत्व:..... 97
2.19.1 नेतृत्व की शैलियाँ:..... 100
2.19.2 वाल्मिकी रामायण में वर्णित नेतृत्व शैलियाँ:..... 102
2.20 भगवान राम के अवतार की आयु:..... 105
2.21 योगिक अंतर्दृष्टि के माध्यम से वाल्मिकी संपूर्ण राम कथा को देखते हैं:..... 110
2.22 वाल्मिकी रामायण में सीता के चार साहसिक निर्णय:..... 115
2.23 "वाल्मीकि की रामायण" में रावण का चरित्र:..... 118

अध्याय 3: अध्यात्म रामायण और वाल्मीकि रामायण का तुलनात्मक अध्ययन 126

3.1 अध्यात्म रामायण और वाल्मिकी रामायण अलग-अलग कल्पों में घटित हुए: 127
3.2 दो संस्कृत उत्कृष्ट वाल्मीकि रामायण और अध्यात्म रामायण के बीच अंतर: 128
3.3 व्यास रामायण के साथ वाल्मिकी रामायण की तुलना: 144
3.4 रामायण: 148
3.5 रामायण और रामचरितमानस में अंतर: 152

अध्याय 4: नया स्वरूप देना और विरोध के रूप में बताना..... 158

4.1 शूर्पणखा प्रसंग: 158
4.2 रामअवतारामः 162
4.3 अध्यात्म रामायण (अरण्यकांड 5): 165
4.4 रामचरितमानस (अरण्यकांड 16-18): 167
4.5 महिलाओं के लिए दंड के रूप में अंग-भंग: 168
4.6 जंगल में कामुकता और तपस्या: 168
4.7 सीता और शूर्पणखा बदले हुए अहंकार के रूप: 169
4.8 आत्म-ज्ञान की कीमत: वाल्मिकी का दृष्टिकोण: 171
4.9 कंबन: पुनर्मिलन के तत्वमीमांसा: 177
4.10 भगवान की चुप्पी: 182

संदर्भ 188

लेखक

डॉ. रेनू रानी शर्मा

जन्म 21 अगस्त 1967; एम. ए. (गोल्ड मेडल); एम. फिल; पीएच.डी की उपाधियाँ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से प्राप्त की। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) से सम्बद्ध गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय, पलवल, (हरियाणा) में विगत 26 वर्षों से विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग तथा वर्तमान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में लेखिका के अनेकों शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। वेद, इतिहास – पुराण, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति में विशेष रुचि है।

KRIPA DRISHTI PUBLICATIONS

Price: ₹675

Kripa-Drishti Publications
A-503 Poorva Heights, Pashan-Sus Road, Near Sai Chowk,
Pune – 411021, Maharashtra, India.
Mob: +91 8007068686
Email: editor@kdpublications.in
Web: https://www.kdpublications.in

ISBN: 978-81-970675-8-7

9 788197 067587